

## अर्धवार्षिक परीक्षा 2015–16

कक्षा – बारहवीं

विषय – हिन्दी

समय : 3 घण्टा

पूर्णांक : 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है।

प्र.1 निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. कवि ने .....को पनघट कहा है।
2. अजामिल जैसे पापी का जिक्र .....प्रसंग में आया है।
3. कबीरदास ..... की संगति को अच्छा बताता है।
4. करुण रस का स्थायी भाव .....है।
5. समास .....प्रकार के होते हैं।

प्र.2 सही जोड़ी मिलाइए।

- |                            |                       |
|----------------------------|-----------------------|
| 1. खेल                     | मैथिली शरण गुप्त      |
| 2. यशोधरा                  | राम नारायण उपाध्याय   |
| 3. तिमिर गेह में किरण आचरण | डॉ. श्याम सुन्दर दुबे |
| 4. मैं क्यों लिखता हूँ     | जैनेन्द्र कुमार       |
| 5. महत्ता                  | डॉ. रघुवीर सिंह       |

प्र.3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में दीजिए।

1. रस के कितने अंग होते हैं।
2. लेखक का बचपन कहाँ गुम हो गया है।
3. लेखक के गाँव से स्टेशन कितने दूर था।
4. गौतम बुद्ध ने यशोधरा से शिक्षा में क्या माँगा।
5. नींव के पत्थर से कवि का क्या तात्पर्य है।

प्र.4 निम्नलिखित कथनो से सत्य / असत्य लिखिए।

1. भाषा का संबंध मनुष्य की ध्वनियों से होता है।
2. कविता पढ़ते समय विराम या रुकने को तुक कहते हैं।
3. महाकाव्य का कलेवर विस्तृत होता है।
4. 'अपने मुँह मियाँ मिट्टू बनाना' का अर्थ है अपने मुँह को मिट्टू जैसा बनाना।
5. माया का भ्रम हट जाय तो फिर आनन्द स्वयं ही उद्घाटित हो जाता है।

प्र.5 निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प चुनिए।

1. शत्रुता का विपरीत अर्थ है।  
क. मनुष्यता            ख. सुंदरता            ग. मित्रता
2. सही वर्तनी है।  
क. ऋचा            ख. त्रिचा            ग. रिचा            घ. रीचा
3. वीर रस का स्थायी भाव है।  
क. शोक            ख. निर्वेद            ग. उत्साह            घ. श्रंगार
4. काव्य की शोभा बढ़ाने वाले तत्व कहलाते हैं।  
क. शब्द शक्ति            ख. अलंकार            ग. छंद
5. तात्या टोपे के रहने की व्यवस्था कहाँ की गई थी?  
क. किले में            ख. बांधव गढ़ में            ग. पाड़ौन के जंगल में

प्र.6 गाँव के जीवन से गायब हो रहीं तीन पारम्परिक चीजों के नाम लिखिए।

अथवा

मानसिंह के चरित्र की चार विशेषताएँ लिखिए।

प्र.7 कबीर ने शब्द की क्या महिमा बतायी है?

अथवा

बिजली की चमक को देखकर कवि सखी को क्या सलाह देता है?

प्र.8 'नीव के पत्थर' से कवि का क्या तात्पर्य है?

अथवा

'देश की समृद्धि की प्रबल आशा' से कवि का क्या तात्पर्य है?

प्र.9 गौतम बुद्ध ने यशोधरा से भिक्षा में क्या माँगा?

अथवा

बालिका मनोहर के बारे में क्या सोच रही थी?

प्र.10 माँ ने रामकुमार वर्मा को पढ़ाई के संबंध में क्या निर्देश दिए थे?

अथवा

भाड़ बनाने से क्या तात्पर्य है?

प्र.11 कवि किन सपूतों को जागरण का संदेश देना चाह रहा है?

अथवा

नैनो टेक्नोलॉजी क्या है? इसके क्षेत्र—विस्तार के बारे में सम्भावनाएँ बतलाइए।

प्र.12 माँ ने रामकुमार वर्मा को पढ़ाई के संबंध में क्या निर्देश दिए थे?

अथवा

लता के गायन की विशेषताएँ लिखिए।

प्र.13 बुद्ध को तपस्विनी यशोधरा के आगे क्यों झुकना पड़ा?

अथवा

'साहित्य में मैं स्नेह को बहुत मूल्य देता हूँ।' राम नारायण जी के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र.14 लेखक को उदास होने पर पुस्तकें क्या कहती हैं?

अथवा

द्विवेदी युग की तीन विशेषताएँ लिखिए।

प्र.15 संस्मरण और रेखाचित्र में अंतर लिखिए।

अथवा

नाटक और एकांकी में अंतर बताइए।

प्र.16 जीवनी और आत्म कथा में अंतर लिखिए।

अथवा

छायावादी काव्य की तीन विशेषताएँ लिखिए।

प्र.17 नई कविता की तीन विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

छायावाद और रहस्यवाद में अन्तर लिखिए।

प्र.18 रामनारायण उपाध्याय अथवा डॉ. श्याम सुन्दर दुबे का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

1. दो रचनाएँ                      2. भाषा शैली                      3. साहित्य में स्थान

प्र.19 मैथिलीशरण गुप्त अथवा जयशंकर प्रसाद का काव्यगत परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए।

1. दो रचनाएँ                      2. कला पक्ष                      3. भाव पक्ष

प्र.20 निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ – प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

माटी कहे कुम्हार से, क्या तू रौंदे मोहि।

एक दिन ऐसा होयगा, मैं रौदोंगी तोहि।।

अथवा

बड़े न हूजे गुननि बिन, बिरद बड़ाई पाय।

कहत धतूरे सों कनक, गहनो गढौ न जाय।।

प्र.21 निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ – प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

यह संसार क्षण भंगूर है। इसमें दुःख क्या और सुख क्या? जो जिससे बनाया है वह उसी में लय हो जाता है— इसमें शोक और उद्वेग की क्या बात है? यह संसार जल का बुदबुदा है। फूटकर किसी रोज जल में ही मिल जायेगा। फूट जाने में ही बुदबुदे की सार्थकता है। जो यह नहीं समझते वह दया के पात्र है।

अथवा

असल प्रकाश तो हमारे जीवन में छिपा हुआ है— सृजन का प्रकाश। आदमी का आचरण, आदमी का शील, आदमी का श्रम, आदमी का विवेक और आदमी की भावना जिसे छू ले, वह प्रकाशित हो जाये। बड़े-बड़े अँधेरों को तराशकर ये प्रकाश-निर्झर बहा दे। ज्वारों जैसे पीताभ गेंहू के पौधे क्या यह संदेश नहीं देते कि सृजन की यात्रा कभी रुकती नहीं। उसे अँधेरे बंद कमरों में भी नहीं रोका जा सकता।

**प्र.22 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

पर्यावरण प्रदूषण परमात्माकृत नहीं अपितु मानवकृत है जो उसने प्रगति के नाम पर किए गए आविष्कारों द्वारा निर्मित किया है। आज जल, वायु सभी कुछ प्रदूषित हो चुका है। शोर, धुआँ अबांछनीय गैसों का मिश्रण एक गंभीर समस्या बन चुका है। यह संपूर्ण मानवता के लिए एक खुली चुनौती है और एक समस्या है जो संपूर्ण मानवता के जीवन और मरण से संबंधि है इसके समझ मानवता बौनी बन चुकी है।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।
3. प्रदूषण किसके कारण निर्मित होता है।

**प्र.23 सचिव, माध्यमिक मण्डल, म.प्र. भोपाल को अंक सूची अथवा प्रमाण-पत्र की द्वितीय प्रतिलिपि मँगाने हेतु आवेदन पत्र लिखिए।**

अथवा

परीक्षा अवधि में ध्वनि-विस्तारक यन्त्र (लाउडस्पीकर) के बजाने पर प्रतिबन्ध लगाने के संबंध में जिलाधिकारी को पत्र लिखिए।

**प्र.24 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए व शेष बचे विषयों में से किसी एक विषय पर सिर्फ रूपरेखा बनाइए।**

1. पर्यावरण प्रदूषण: समस्या और निदान
2. विज्ञान: वरदान या अभिशाप
3. दहेज प्रथा – एक सामाजिक अभिशाप
4. आतंकवाद – एक अभिशाप
5. बेकारी की समस्या